इस वैल्युएबल समय पर बाप का पूरा मददगार बनना
सर्विस कर ऊंच पद प्राप्त करना
दुःख-सुख,गर्मी-सर्दी,निंदा-स्तुति सब करना सहन
कोई बहाने बाजी नही करनी
अविनाशी ज्ञान-रत्नों से मुट्ठी भरनी
रूहानी पढ़ाई करनी ,चनों के पीछे समय नही गंवाना
स्वदर्शन चक्रधारी बनना,फॉलो मदर फादर करना
एक -मत,एक -रस और निर्विघ्न हो करनी सेवा
तभी आत्मायें बनेंगी सहयोगी
धरणी फलदायक हो जायेगी
अभिमान की शान..निर्मान बनने नही देती

ॐ शांति
मेरा बाबा